घरों में शॉर्ट सर्किट न हो, इसलिए 1000 लोकल इलेक्ट्रिशियनों को प्रशिक्षण दिलवाएगी बीआरपीएल

- प्रतिभागी इलेक्ट्रिशियनों को दो लाख का दुर्घटना बीमा मुफ्त मिलेगा
- दिहाड़ी का नुकसान न हो, इसलिए 500 रूपये भी प्रतिभागियों के अकाउंट में डाले जाएंगे
- इलेक्ट्रिशियनों को ट्रेनिंग दिलवाने के लिए बीआरपीएल का हैवल्स के साथ समझौता

नई दिल्लीः 2 नवंबर। घरों में दोषपूर्ण वायरिंग की वजह से स्पार्किंग, शॉर्ट सर्किट व आग लगने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए बीआरपीएल गली–मोहल्लों के 1000 लोकल इलेक्ट्रिशियनों को हाउस वायरिंग इंस्टॉल करने और उसे रिपेयर करने की ट्रेनिंग दिलवाएगी। इस प्रोग्राम में थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों स्तरों पर इलेक्ट्रेशियनों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए बीआरपीएल ने हैवल्स के साथ समझौता किया है।

यह विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम, नैशनल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा अप्रूव्ड है, जिसमें मुख्य तौर पर लोकल इलेक्ट्रिशियनों और आरडब्लूए द्वारा नामित इलेक्ट्रिशियनों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें बतया जाएगा कि हाउस वायरिंग लगाने और उनमें आई खराबियों को दूर करने के बेहतर तरीके कौन–से हैं। और कैसे उपभोक्ता शॉर्ट सर्किट व बिजली जनित आग से बच सकते हैं। इलेक्ट्रिशियनों को प्रशिक्षित करने के बाद उनकी लिस्ट बीएसईएस वेबसाइट और मोबाइलन ऐप पर अपलोड कर दी जाएगी। ट्रेनिंग के बाद सभी इलेक्ट्रिशियनों को हैवल्स इंडिया लिमिटेड की ओर से एक सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। यही नहीं, ट्रेनिंग पूरी करने के बाद तीन साल तक के लिए इन इलेक्ट्रिशियनों का 2 लाख रूपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा भी मुफ्त में कराया जाएगा। इसमें मृत्यु और स्थायी विकलांगता कवर होगी। प्रमाणित प्रतिभागियों को इंश्योरेंस सुविधा की उपलब्ध कराने के लिए लिए नैशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। साथ ही, उनके अकाउंट में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 500 रूपये भी जमा करवाएं जाएंगे।एक दिवसीय ट्रेनिंग लेने से उन्हें दिहाड़ी के तौर पर कोई आर्थिक नुकसान न हो, इसलिए उन्हें ऐसी सुविधा दी जा रही है। आने वाले 5–6 महनों तक इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को जारी रखा जाएगा।

इलेक्ट्रिशियनों को घरों में आरसीसीबी यानी रेसिड्यूअल करंट सर्किट ब्रेकर और ईएलसीबी यानी अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर लगाने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, क्योंकि ये उपकरण अगर घरों में लगे हों, तो करंट व आग लगने जैसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। आरसीसीबी/ईएलसीबी उपभोक्ताओं के घरों में बिजली की छोटी–से–छोटी लीकेज को भी पकड़ लेगा और बिजली को ट्रिप कर उसे डिस्कनेक्ट कर देगा। आरसीसीबी/ ईएलसीबी व्यक्ति को करंट व शॉक लगने से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह घरों की दोषपूर्ण वायरिंग को भी डिटेक्ट कर लेगा। साथ ही, वायर अगर आपस में इंटरमिक्स हो रहे हैं, तो भी यह उपकरण बिजली को डिसकनेक्ट कर देगा, और दुर्घटनाओं से बचाएगा। गौरतलब है कि सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऐक्ट रेगुलेशन 2015 की धारा 42 के तहत 2 किलोवॉट या अधिक लोड वाले उपभोक्ताओं के लिए ईएलसीबी/आरसीसीबी लगवाना अनिवार्य है। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बीएसईएस के कुछ लाइनमैनों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हैवल्स के साथ साझेदारी के बारे में बीआरपीएल के सीईओ श्री अमल सिन्हा ने कहा– बीएसईएस में हम एनर्जी एफिशिएंसी, सस्टेनेबल विकास और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्घ हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हम लगातार इस दिशा में पहल कर रहे हैं। हैवल्स के साथ हमारी यह साझेदारी हमारे इन्हीं पयासों का एक उदाहरण है। मुझे विश्वास है कि हमारी इस साझेदारी से न सिर्फ हम एक–दूसरे की ताकत का लाभ उठा पाएंगे, बल्कि सेफ्टी को बढ़ाने के हमारे प्रयासों को भी इससे बल मिलेगा। इससे उपभोक्ताओं का काफी फायदा होगा। ईएलसीबी लगवाना यूरोप व अन्य विकसित देशों में आम है। भारत में भी मुंबई और बेंगलुरू जैसे शहरों में घरों में ईएलसीबी लगवाना दशकों से आम है। हम उपभोक्ताओं से, खासकर उनसे, जो दो किलोवॉट या

अधिक का कनेक्शन लेना चाहते हैं, अनुरोध करते हैं कि वे तुरंत ईएलसीबी लगवाएं। सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है और इससे आपको दिमागी शांति भी मिलेगी।

हैवल्स इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट श्री सौरभ गोयल ने इस साझेदारी के बारे में कहा– हम नैशनल सेफ्टी वीक के दौरान, बिजली से संबंधित सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए बीएसईएस के साथ साझेदारी से काफी उत्साहित हैं। हम बीएसईएस के प्रोग्राम *आपके द्वार* का भी हिस्सा बनेंगे, जिसके माध्यम से हमें बिजली उपभोक्ताओं के बीच, करंट लीकेज प्रोटेक्शन उपकरणों के बारे में जागरूकता फेलाने में मदद मिलेगी। यह पहल, उपभोक्ताओं की सेफ्टी सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को सबसे पहले स्थान पर रखने की हैवल्स इंडिया के विजन से जुड़ी हुई है क्योंकि यहां हमें इलेक्ट्रिशियनों और उपभोक्ताओं को सेफ्टी प्रैक्टिसेज के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....